



प्रबन्धक

गाँधी शान्ति निकेतन पी.जी. कालेज
गौहनिया, जसरा, प्रयागराज

निवास : 82, बलरामपुर हाउस,
ममफोर्डगंज, प्रयागराज

शिक्षा ही मनुष्य के ज्ञानात्मक, भावात्मक, सृजनात्मक एवं क्रियात्मक पक्ष को प्रभावित कर उसको सभी गुणों से युक्त बनाते हुए उनका सर्वांगीण विकास करती है। हमारा महाविद्यालय अध्ययन के सृजन में अपेक्षित मानदण्डों एवं मानकों के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान करता है। वर्तमान समय में महाविद्यालय 20 व्याख्यान कक्ष, विस्तृत लाइब्रेरी, भौतिक विज्ञान, जन्तु विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान सुसज्जित लैब, कम्प्यूटर कक्ष, 19 शिक्षक 14 शिक्षणेत्तर कर्मचारी क्रीड़ा का मैदान इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित करता है। शासन द्वारा बी.ए. , बी.एस. सी. एवं. एम.ए. , एम.एस-सी. संकाय को स्थायी सम्बद्धता प्रदान की गयी है।

पी.जी.कालेज द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था कराई जा रही है जिसमें विद्यार्थी सुविधापूर्ण ढंग से प्रवेश एवं परामर्श प्राप्त कर अपनी शिक्षा को सकारात्मक रूप से गति प्रदान कर लाभान्वित हो सकें। हम पी.जी. कालेज में आगामी सत्रों में विभिन्न व्यवसाय परक शिक्षण व्यवस्था को स्थापित करने हेतु कटिबद्ध है जिससे क्षेत्र के अन्येतर योग्य, गरीब छात्रों को रोजगार प्राप्त हो सके। सेमेस्टर 2025 का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा।

में क्षेत्र की जनता, जनप्रतिनिधियों, पुरा छात्रों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ जिन्होंने पी.जी. कालेज के प्रति अपना सम्मान एवं विश्वास व्यक्त किया है। हमने सदैव अपने पूज्य पिताजी स्व० पं० रमाकान्त मिश्र के आदर्शों के अनुरूप योग्य एवं गरीब अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के शिक्षण शुल्क में विशेष छूट प्रदान की है। पी.जी. कालेज के समस्त शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को पी.जी. कालेज की लोकप्रियता बढ़ाने में सहयोग के लिए प्रशंसा करता हूँ। वर्तमान सत्र में प्रवेश लेने वाले छात्र छात्राओं का स्वागत करता हूँ।

इन्द्रनाथ मिश्र

प्रबन्धक

ब्लाक प्रमुख कौंधियारा

अध्यक्ष ब्लाक प्रमुख संघ, प्रयागराज



पं. राजेन्द्र कुमार मिश्र

संरक्षक

गाँधी शान्ति निकेतन पी.जी. कालेज प्रयागराज

गौहनिया, प्रयागराज

निवास : 82, बलरामपुर

हाउस, ममफोर्डगंज,

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि गाँधी शान्ति निकेतन पी.जी. कालेज गौहनिया, प्रयागराज वर्तमान सत्र में प्रवेश हेतु प्रवेश विवरणिका का प्रकाशन करने जा रहा है। प्रवेश विवरणिका कालेज कार्य संचालन, अवस्थापनों व विभिन्न क्रिया-कलापों की प्रमाणिक सूचनाओं का संकलन होता है। जो नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के दिशा निर्देशन हेतु बहुत उपयोगी है। उत्कृष्ट जीवन मूल्यों की स्थापना, गुणवत्ता परक शिक्षा तथा सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप छात्रों के प्रति सहानुभूतिक दृष्टि रखना ही कालेज का अभीष्ट लक्ष्य रहा है। भविष्य में भी संस्था के ये आदर्श कायम रहे इसके लिए मैं कालेज प्रशासन से जुड़े प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से सभी शिक्षकों-कर्मचारियों व सुधीजनों को शुभकामनाएँ देता हूँ। वर्तमान सत्र बी.ए., बी.एस. सी. एवं. एम.ए., एम.एस-सी. में प्रवेश के आकांक्षी छात्र-छात्राओं तथा उनके अभिभावकों का स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

राजेन्द्र कुमार मिश्र

(एडवोकेट)

संरक्षक

मो.: 9415617452



प्राचार्य

गाँधी शान्ति निकेतन पी.जी. कालेज

गौहनिया, प्रयागराज

संदेश

उच्च शिक्षा को सर्वसुलभ बनाने के लक्ष्य को लेकर सन् 1999 ई० में बारा विधान सभा क्षेत्र के पूर्व विधायक स्व० पं० रमाकान्त मिश्र द्वारा बारा क्षेत्र के पंवरी गाँव में स्थापित गांधी शान्ति निकेतन पी.जी. कॉलेज अनवरत शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है। वर्तमान समय में कौंधियारा ब्लाक के ब्लाक प्रमुख संघ प्रयागराज के अध्यक्ष पं० इन्द्रनाथ मिश्र की देख-रेख में महाविद्यालय विविध गतिविधियों में छात्र-छात्राओं को शिक्षित कर रहा है। यह महाविद्यालय निरन्तर शिक्षा का प्रमुख केन्द्र है। दूर दराज के छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर जन मानस की विभिन्न माध्यमों से सेवा प्रदान कर रहे हैं। यह शैक्षिक गति विधियों जैसे शैक्षिक सामग्री के सहयोगात्मक निर्माण एवं साझाकरण को बढ़ावा देता है। प्रवेश विवरणिका के निर्माण एवं नये प्रवेश सत्र को प्रारम्भ करने के अवसर पर कार्यालय के समस्त सदस्यों एवं समस्त कालेज के आचार्यों के प्रति शुभकामना प्रकट करते हुए नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

डॉ० लाल जी तिवारी

प्राचार्य

मो.: 9936243340

ltiwari1998@gmail.com



पं. प्रेम शंकर पाण्डेय
अध्यक्ष
प्रबन्ध समिति,
लोक सेवा मण्डल, प्रयागराज

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि गाँधी शान्ति निकेतन पी.जी. कालेज, गौहनिया, प्रयागराज वर्तमान सत्र में प्रवेश हेतु प्रवेश विवरणिका का प्रकाशन करने जा रहा है। विवरणिका में कालेज के क्रिया-कलापों की संक्षिप्त जानकारी नवागन्तुक छात्र/छात्राओं को मिलेगी। साथ ही सामाजिक उन्नयन की दिशा में कालेज के सार्थक प्रयासों की एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी।

प्रवेश विवरणिका अपने उद्देश्य में सफल हो, मेरी यह शुभकामना है।

प्रेम शंकर पाण्डेय
सुन्दरपुर (लोहगरा)
प्रयागराज



अनू मिश्रा
पूर्व ब्लाक प्रमुख,
कौंधियारा, प्रयागराज

निवास : 82, बलरामपुर,
प्रयागराज

यह जानकर अपार हर्ष महसूस कर रही हूँ कि पी.जी. कालेज की प्रवेश विवरणिका का प्रकाशन वर्ष में प्रकाशित होने जा रहा यह प्रवेश विवरणिका पी.जी. कालेज की समस्त शैक्षिक, क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं अन्यान्य गतिविधियों का प्रतिबिम्ब होती है। इस प्रवेश विवरणिका के सफल प्रकाशन के लिए मैं महाविद्यालय परिवार को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

अनू मिश्रा
पूर्व ब्लाक प्रमुख,
कौंधियारा, प्रयागराज
मो.: 9628833142

एन.एस.एस. सप्त दिवसीय विशेष शिविर का समापन

गांधी शान्ति निकेतन पी.जी. कालेज, गोहनिया, जसरा, प्रयागराज में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-प्रथम का विशेष शिविर 5 मार्च से प्रारंभ होकर 11 मार्च को समापन समारोह सम्पन्न किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य श्री सुरेन्द्र सिंह व विशिष्ट अतिथि पूर्व ब्लाक प्रमुख कौंधियारा श्रीमती अनु मिश्रा ने सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया वन्दना गीत अंजली शर्मा व खुशी द्वारा प्रस्तुत किया गया स्वयं सेवक व सेविकाओं ने गीत, नाट्य मंचन, लोक गीत, देश भक्ति गीत, नुक्कड़ नाटक, आदि विविध कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ सतीश शुक्ला ने किया। आए हुए अतिथियों का स्वागत कालेज प्राचार्य डॉ लाल जी तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम अधिकारी रा.से.यो. डॉ. अविनाश चन्द्र द्विवेदी ने शिविर में सात दिवस हुए कार्यक्रम की रूप रेखा से मंच को अवगत कराया। सुरेन्द्र सिंह द्वारा मनोयाग से सेवा धर्म करते हुए, अध्ययन पर बल दिया। श्रीमती अनु मिश्रा ने स्वयं संवक व सेविकाओं के द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डॉ. सतीश शुक्ला ने ज्ञानार्जन के साथ कौशल विकास पर जोर दिया साथ ही सेवा करने के अवसर प्राप्ति को बड़ा सौभाग्य बताया। डॉ. सुनीता शुक्ला ने नियमित परिश्रम करने पर बल दिया। पुराने स्वयं सेवक व सेविकाओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया जिसमें प्राप्त कर सभी के चेहरे खिल उठे। उक्त अवसर पर डॉ. रास बिहारी यादव प्रधानाचार्य, डॉ. गया प्रसाद गुप्ता, डॉ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह, फूल चन्द्र कौशलेश यादव प्रधान कुलदीप तिवारी, विजय राज सिंह, सचिन सिंह, सुरेश पाण्डेय, आलोक जी, जीवन लाल आदि मौजूद रहे।



गाँधी शान्ति निकेतन पी.जी. कालेज

गौहनियाँ (जसरा), प्रयागराज

सम्बद्ध- प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उच्च शिक्षा मानवीय प्रगति का मूलाधार है। परिवार, समाज एवं संस्कृति के प्रति उचित दृष्टिकोण का विकास तथा अन्याय, द्वेष, विशेषाधिकार, दबाव आदि के विरोध का साहस और तमाम सारे आघातों से बचने के लिए कवच के रूप में एक अपरिहार्य आवश्यकता है। इन्हीं विचारों का प्रतिफल है जमुनापार के ग्रामीणांचल गौहनियाँ स्थापित गाँधी शान्ति निकेतन पी.जी. कालेज, जिसे मूर्तरूप दिया बारा क्षेत्र के पूर्व विधायक पं० रमाकान्त मिश्र जी ने। सौम्य व्यक्तित्व के धनी तथा डेढ़ दर्जन प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा के केन्द्रों की स्थापना का कीर्तिमान स्थापित कर चुके श्री मिश्र जी की मान्यता है कि राष्ट्र एवं समाज के उत्थान के लिए सभी व्यक्तियों एवं वर्गों की पूरी भागीदारी अत्यन्त महत्वपूर्ण है, साथ-साथ राष्ट्र की उन्नति के लिए पूरे समाज को शैक्षिक, सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ होना भी आवश्यक है। इसके लिए शिक्षा एक सेतु का काम करती है। वह समाज के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है। यह सच है कि बारा तथा करछना तहसील के निर्धन बाहुल्य क्षेत्र के अधिकांश अभिभावक प्रायः अधिक व्यय-भार वहन न कर पाने के कारण अपनी सन्ततियों को न चाहते हुए भी उच्च शिक्षा से वंचित रखने को विवश थे। यह अपने में विचारणीय विषय था जो श्री मिश्र के विद्यानुरागी, संवेदनशील हृदय को झकझोरता रहा। अन्ततः एक सकारात्मक संकल्प के साथ इस दिशा में अभियान प्रारम्भ हुआ और 1999 में उत्तर प्रदेश सरकार के तत्कालीन उच्च शिक्षा मंत्री डॉ० नरेन्द्र कुमार सिंह गौर तथा उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्री राकेशधर त्रिपाठी के सहयोग से महामहिम राज्यपाल/कुलधिपति द्वारा मान्यता/सम्बद्धता 23-1-99 को प्राप्त हुई। सत्र 2008 में महाविद्यालय की स्थाई सम्बद्धता छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा प्राप्त हो गयी है। सन् 2020 में एम.एस-सी, एम.ए. की मान्यता प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा मान्यता प्राप्त हो गई है।

पी.जी. कालेज के प्रथम शैक्षिक सत्र का उद्घाटन विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि 16 जुलाई, 1999 ई० को क्षेत्रीय सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ० मुरली मनोहर जोशी द्वारा किया गया जिसकी अध्यक्षता उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्री राकेशधर त्रिपाठी ने किया। प्रथम सत्र में ही 461 छात्रों ने बी०ए० (भाग-1) में प्रवेश लेकर शिक्षा ग्रहण किया। इस अवसर पर जमुनापार क्षेत्र के वरिष्ठ नेता, पूर्व सांसद एवं मंत्री श्री के० पी० तिवारी, सदस्य विधान परिषद, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

पी.जी. कालेज में संचालित पाठ्यक्रम

विज्ञान संकाय विषय

- | | | |
|------------------|------------------|--------------------|
| 1. भौतिक विज्ञान | 3. गणित | 5. वनस्पति विज्ञान |
| 2. रसायन विज्ञान | 4. जन्तु विज्ञान | |

एम.एस-सी विषय :

- | | |
|------------------|------------------|
| 1. रसायन विज्ञान | 2. जन्तु विज्ञान |
|------------------|------------------|

कला संकाय (बी.ए.) त्रिवर्षीय कोर्स

- | | | |
|--------------------|--------------------|----------------|
| 1. हिन्दी साहित्य | 3. राजनीति विज्ञान | 5. समाजशास्त्र |
| 2. संस्कृत साहित्य | 4. अर्थशास्त्र | 6. इतिहास |

एम.ए. :

- | | |
|-------------------|----------------|
| 1. हिन्दी साहित्य | 2. समाजशास्त्र |
|-------------------|----------------|

Antriksh Patyayakram Certificate Course and Diploma

College Code No. : 101920 2023-24

- | | |
|---|---|
| 1. Python with Space science and Technology. | 6. Space based observations for atmospheric hazard. |
| 2. Global Navigation Satellite System. | 7. Satellite based Navigation a journey from GPS to Mobile phone programme. |
| 3. Overview of Remote Sensing Technology. | 8. Overview of Geographic Information system. |
| 4. Earth Observation Based mapping. | |
| 5. Monitoring and Modelling of landslide recent trends and support to early warning system. | |

प्रस्तावित विषय

- | | | |
|------------------------|---|--------------------------|
| एल.एल.बी./बी.एड./बी.ए. | - | 4 वर्षीय |
| एम.एस-सी. | - | भौतिक विज्ञान, गणित |
| एम.ए. | - | राजनीति विज्ञान, संस्कृत |

30 प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों की मान्यता प्रदान की गयी।

30 प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा महाविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों में वर्ष 2006 से कक्षाएँ संचालित करने की मान्यता प्रदान की है -

1. एम०ए० (हिन्दी, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, आधुनिक इतिहास, शिक्षाशास्त्र, अंग्रेजी, संस्कृत, गृह विज्ञान)।
2. बी०ए०, बी०एस-सी० सभी विषयों में।
3. एम.एस-सी. (जैव रसायन, सांख्यिकी)
4. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक और स्नातकोत्तर
5. पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।
6. एक वर्षीय, द्विवर्षीय एवं त्रिवर्षीय अन्य पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश लिया जा सकता है।
एम.एस-सी., BIOCHEMISTRY, STATICS
7. योग स्नातकोत्तर और योग स्नातक
8. M.C.A., M.B.A., B.B.A., B.C.A. संचालित अन्य कोर्स
9. एम.एस.सी., गणित, पर्यावरण अध्ययन

स्नातक प्रवेश प्रक्रिया में महत्वपूर्ण नियम एवं शर्तें

1. इस प्रवेश विवरणिका में वर्णित दिशानिर्देश विश्वविद्यालय परिसर तथा सम्बद्ध समस्त राजकीय/अशासकीय अनुदानित तथा स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में वर्तमान सत्र के लिए स्नातक (बी0ए0, एवं बी0एस-सी0) प्रवेश से सम्बन्धित है।
2. वर्तमान सत्र में प्रवेश प्रक्रिया समस्त महाविद्यालय स्वयं अपने स्तर पर सम्पन्न करेंगे, किन्तु सम्बन्धित दिशानिर्देश समय-समय पर विश्वविद्यालय द्वारा जारी किये जायेंगे।
3. महाविद्यालयों में प्रवेश की तिथियाँ विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित की जाएगी। अन्तिम तिथि के पश्चात् किसी भी दशा में प्रवेश स्वीकार्य नहीं किये जायेंगे।
4. समस्त महाविद्यालय प्रतिदिन प्रवेशित विद्यार्थियों का पंजीकरण कॉलेज लॉगिन में उपलब्ध कराये गये वेब पंजीकरण फार्म के माध्यम से करेंगे। यदि किसी महाविद्यालय ने उपरोक्त पंजीकरण फार्म में विद्यार्थी का पंजीकरण नहीं किया तो वे सभी प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा अस्वीकार्य होंगे।
5. वेब पंजीकरण फार्म प्रवेश प्रारम्भ होने की तिथि से कॉलेज लॉगिन में उपलब्ध होगा तथा प्रवेश की अन्तिम तिथि के पश्चात् वेब पंजीकरण फार्म स्वतः बंद हो जायेगा।
6. विश्वविद्यालय के वेब पंजीकरण फार्म में विद्यार्थियों का पंजीकरण महाविद्यालय में प्रवेश के साथ ही करना अनिवार्य है।
7. इस विवरणिका में वर्णित दिशानिर्देश समस्त महाविद्यालयों पर बाध्यकारी है तथा सभी महाविद्यालय इनका अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।
8. समस्त महाविद्यालय इस विवरणिका पुस्तिका को अपनी-अपनी वेबसाइट पर विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के सूचनार्थ अपलोड करेंगे।
9. यह सूचना पुस्तिका विवरणिका अभ्यर्थियों के लिए सामान्य दिग्दर्शन मात्र है तथा समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय परिनियमों के अधीन है। इस विवरणिका में दी गयी समस्त सूचनाएं प्रामाणिक हैं तथा तत्पश्चात् होने वाला कोई भी परिवर्तन विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध होगा।
10. अभ्यर्थी स्वयं सुनिश्चित कर लें कि जिस पाठ्यक्रम में वे प्रवेश हेतु कर रहे हैं, उस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु वे अर्ह हैं, प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु अर्हता का विवरण इस विवरणिका पर उपलब्ध है।
11. अभ्यर्थी अपनी पात्रता के आधार पर पाठ्यक्रम का चयन करेंगे। अभ्यर्थी यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि उनके द्वारा उपलब्ध करायी गई समस्त सूचनाएं सत्य हैं और उनकी प्रविष्टियाँ आवेदन पत्र में सही हैं। सूच्य है कि अभ्यर्थी द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचनाएं एवं वेब पंजीकरण फार्म में भरी गई प्रविष्टियों को किसी भी दशा में परिवर्तित नहीं किया जायेगा और विश्वविद्यालय न तो इस संदर्भ में उत्तरदायी होगा और न ही इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार का आवेदन/निवेदन स्वीकार करेगा।

12. वेबपंजीकरण फार्म के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम हेतु रुपये 50/- पंजीकरण शुल्क निर्धारित है। जिसका भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा। पंजीकरण शुल्क का भुगतान विद्यार्थियों द्वारा किया जायेगा।
13. अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि भविष्य में पत्र व्यवहार एवं सन्दर्भ हेतु वेब पंजीकरण प्रपत्र की छायाप्रति/फीस जमा करने का विवरण अपने पास अवश्य सुरक्षित रखें। महाविद्यालय विद्यार्थी को ये अभिलेख अवश्य उपलब्ध करायें।
14. महाविद्यालय इस तथ्य को ध्यान में रखें कि सभी विद्यार्थियों का ई-मेल एवं मोबाइल नं० पंजीकरण फार्म में सही अंकित हो, क्योंकि विश्वविद्यालय द्वारा भविष्य में विद्यार्थी से ई-पत्राचार किया जा सकता है।
15. किसी भी प्रकार के विषय पर विश्वविद्यालय का निर्णय अन्तिम होगा। विश्वविद्यालय इस विवरणिका में दिए किसी भी बिन्दु में किसी भी प्रकार का संशोधन, परिवर्तन कर सकता है तथा किसी भी बिन्दु का निरस्त कर सकता है।
16. वेबपंजीकरण फार्म एवं पंजीकरण शुल्क भुगतान किए जाने की प्रक्रिया निम्नवत् होगी-
 - (a) सर्वप्रथम महाविद्यालय अपनी कॉलेज लॉगिन पर जाएँ।
 - (b) मुख्य पृष्ठ पर Web Registration Form वर्तमान सत्र टैब में क्लिक करें, इसके पश्चात् वेब पंजीकरण फार्म खुलेगा।
 - (c) इस बात का ध्यान रहे कि वेब पंजीकरण फार्म भरते समय जब तक आप Submit टैब में क्लिक नहीं करते, आप वेब पंजीकरण फार्म में किसी भी प्रकार का संशोधन कर सकते हैं किन्तु एक बार वेब पंजीकरण फार्म सबमिट हो जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का संशोधन अनुमान्य नहीं होगा।
 - (d) पंजीकरण शुल्क का भुगतान अनिवार्य है, शुल्क का भुगतान होने के पश्चात् ही पंजीकरण पूर्ण माना जायेगा।
 - (e) सफलतापूर्वक आवेदन हो जाने के पश्चात् आप वेब पंजीकरण फार्म को प्रिंट कर सकते हैं। वेब पंजीकरण फार्म के प्रिंटआउट को सुरक्षित रखें। आप लॉगिन करके भी आवेदन पत्र का प्रिंट ले सकते हैं।
 - (f) भविष्य में पत्राचार हेतु कृपया वेब पंजीकरण संख्या (WRN) एवं आवेदन पत्र में अंकित मोबाइल का प्रयोग अवश्य करें।
17. प्रत्येक विद्यार्थी को प्रवेश के समय ही क्रेडिट ट्रांसफर हेतु ABC id उपलब्ध करानी होगी। विद्यार्थी ABC की वेबसाइट www.abc.gov.in में जाकर अपने आधार कार्ड के माध्यम से ABC id हेतु पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के पश्चात् 12 अंकों की एक ABC id प्राप्त होगी, जिसका उल्लेख वेब पंजीकरण फार्म में करना होगा।
18. प्रत्येक विद्यार्थी का डिजीलॉकर में पंजीकरण आवश्यक होगा, क्योंकि ABC में पंजीकरण हेतु डिजीलॉकर में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

खण्ड - ख

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुपालन में प्रवेश/पाठ्यक्रम संरचना/परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था-

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के क्रम में प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्नातक (बी0ए0, बी0कॉम0, बी0एस-सी0) पाठ्यक्रम 'चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम' (CBCS) तथा सतत आन्तरिक मूल्यांकन की नवीन संरचना से आच्छादित होंगे।
2. स्नातक स्तर के समस्त पाठ्यक्रम वर्तमान सत्र से सेमेस्टर प्रणाली पर आधारित होंगे।
3. प्रवेश पद्धति :-
 1. विश्वविद्यालय एवं समस्त महाविद्यालय अपने स्तर से प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न करेंगे।
 2. विश्वविद्यालय/महाविद्यालय अनुमान्य सीटों एवं प्रवेश नियमों के आलोक में विद्यार्थी को सम्बन्धित संकाय/विषय में प्रवेश देंगे।
 3. महाविद्यालय स्तर पर पात्रता एवं चरित्र प्रमाणन के आधार पर किसी विद्यार्थी को प्रवेश देने और न देने का सर्वाधिकार प्राचार्य के पास होगा।
 4. किसी भी संवर्ग (कैटेगरी) तथा भारांक (वेटेज) हेतु सक्षत अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र ही मान्य होगा।
 5. विद्यार्थी को प्रवेश के समय विश्वविद्यालय/महाविद्यालय का निर्धारित पाठ्यक्रम शुल्क जमा करना होगा जो विद्यार्थी के अध्ययन प्रारम्भ करने तथा सेमेस्टर/ईयर बैंक की दशा में नॉन रिफंडेबल होगा।
 6. अध्ययन अन्तराल की दशा में विद्यार्थी रु 10 के हलफनामा में इस विषय का शपथ पत्र देंगे कि इस अन्तराल में उनके द्वारा क्या कार्य किये गये हैं।
 7. असत्य जानकारी देने पर अभ्यर्थी का प्रवेश स्वतः निरस्त माना जायेगा।
4. स्नातक स्तर पर प्रवेश हेतु न्यूनतम अहर्ताएं निम्नवत हैं :

क्र0सं0	पाठ्यक्रम / संकाय	न्यूनतम अहर्ताएं	
1.	बी0ए0/कला संकाय	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से 40% (अनुसूचित जाति एवं जनजाति 35%) के साथ इंटरमीडिएट उत्तीर्ण।	इसके साथ ही धारा-10 में वर्णित पूर्व-पात्रता का अनुपालन भी करना होगा।
2.	बी0एस-सी/विज्ञान संकाय		

5. मूल अभिलेख : प्रवेश के समय अभ्यर्थियों को निम्नलिखित मूल अभिलेख एवं उनकी एक छाया प्रति प्रस्तुत करनी होगी।

(विश्वविद्यालय/महाविद्यालय इनके बिना अभ्यर्थी के प्रवेश के दावे पर विचार नहीं करेंगे)

1. हाईस्कूल का अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र	5. ई0डब्ल्यू0एस0 प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)
2. इण्टरमीडिएट का अंकपत्र प्रमाण पत्र	6. दो रंगीन छायाचित्र
3. माइग्रेसन/स्थानान्तरण प्रमाण पत्र	7. प्रवेश के लिए निर्धारित शुल्क
4. जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)	8. अधिभार प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)

6. छात्रवृत्ति : विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश सरकार के नियमों के अधीन छात्रवृत्ति प्राप्त होगी।

परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया में महत्वपूर्ण नियम एवं शर्तें

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुपालन में प्रवेश/पाठ्यक्रम संरचना/परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था :

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के क्रम में प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्नातक (एम0ए0, एम0कॉम0, एम0एस-सी0) पाठ्यक्रम 'चॉइस बेस्ट क्रेडिट सिस्टम' (CBCS) की नवीन संरचना से आच्छादित होंगे। यह नवीन पाठ्य प्रणाली सत्र वर्तमान सत्र तथा आगामी सत्रों के लिए लागू हो गयी है।
2. प्रवेश पद्धति :
 - (a) विश्वविद्यालय एवं समस्त महाविद्यालय अपने स्तर से प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न करेंगे।
 - (b) विश्वविद्यालय/महाविद्यालय अनुमन्य सीटों एवं प्रवेश नियमों के आलोक में विद्यार्थी को सम्बन्धित संकायध्विषय में प्रवेश देंगे।
 - (c) महाविद्यालय स्तर पर पात्रता एवं चरित्र प्रमाणन के आधार पर किसी विद्यार्थी को प्रवेश देने ओर न देने का सर्वाधिकार प्राचार्य के पास होगा।
 - (d) किसी भी संवर्ग (कैटेगरी) तथा भारांक (वेटेज) हेतु सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त प्रमाण-पत्र ही मान्य होगा।
 - (e) विद्यार्थी को प्रवेश के समय विश्वविद्यालय/महाविद्यालय का निर्धारित पाठ्यक्रम शुल्क जमा करना होगा जो विद्यार्थी के अध्ययन प्रारम्भ करने तथा सेमेस्टर/ईयर बैंक की दशा में नॉन रिफंडेबल होगा।
 - (f) अध्ययन अन्तराल (Study Gap) की दशा में विद्यार्थी रु 10 के हलफनामा में इस विषय का शपथ पत्र देंगे कि इस अन्तराल में उनके द्वारा क्या कार्य किये गये हैं।
 - (g) असत्य जानकारी देने पर अभ्यर्थी का प्रवेश स्वतः निरस्त माना जायेगा।
3. परास्नातक स्तर पर प्रवेश हेतु न्यूनतम अहर्ताएं निम्नवत हैं -

क्र0सं0	पाठ्यक्रम / संकाय	न्यूनतम अहर्ताएं	
1.	एम0ए0/कला संकाय	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से 40% (अनुसूचित जाति एवं जनजाति 35%) के साथ बी.ए. एवं बी.एस.सी. उत्तीर्ण।	इसके साथ ही धारा-9 में वर्णित पूर्व-पात्रता का अनुपालन भी करना होगा।
2.	एम0एस-सी/विज्ञान संकाय		

4. मूल अभिलेख : प्रवेश के समय अभ्यर्थियों को निम्नलिखित मूल अभिलेख एवं उनकी एक छाया प्रति प्रस्तुत करनी होगी।
(महाविद्यालय इनके बिना अभ्यर्थी के प्रवेश के दावे पर विचार नहीं करेंगे)

1. स्नातक का अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र	6. ई0डब्ल्यू0एस0 प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)
2. हाईस्कूल का अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र	7. दो रंगीन छायाचित्र
3. इण्टरमीडिएट का अंकपत्र प्रमाण पत्र	8. प्रवेश के लिए निर्धारित शुल्क
4. माइग्रेसन/स्थानान्तरण प्रमाण पत्र	9. अधिभार प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)
5. जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)	10. आय प्रमाण पत्र

6. छात्रवृत्ति : महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश सरकार के नियमों के अधीन छात्रवृत्ति प्राप्त होगी।

(क) अनुसूचित जाति	21 प्रतिशत
(ख) अनुसूचित जनजाति	02 प्रतिशत
(ग) अन्य पिछड़ा वर्ग	27 प्रतिशत

(इसके लिए क्रीमीलेयर के अभ्यर्थी अर्ह नहीं हैं।)

(घ) आर्थिक कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों हेतु-	सम्पूर्ण अनुमन्य सीटों का 10% (सामान्य वर्ग से)
--	--

नोट: 1. उत्तर प्रदेश शासन के कार्मिक अनुभाग-2 कार्यालय-ज्ञाप संख्या 1/2019/4/1/2002 का 2/19टी.सी.-11 दिनांक 18 जनवरी 2019 के क्रम में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (Economically Weaker Section) के विद्यार्थियों के लिए प्रवेश हेतु अनुमन्य कुल सीटों के सापेक्ष 10% सीटों पर सामान्य वर्ग की उपलब्ध सीटों के अन्तर्गत आरक्षण किया जायेगा। उदाहरणस्वरूप- यदि किसी पाठ्यक्रम में 60 सीटें प्रवेश के लिए उपलब्ध हैं तो सामान्य वर्ग की 30 सीटों के अन्तर्गत 06 सीटें EWS वर्ग के लिए इस प्रकार आरक्षित की जाएगी कि 01 सीट महिला (20% महिला आरक्षण) तथा 05 सीट पुरुष अभ्यर्थी को प्रवेश हेतु उपलब्ध हो।

2. उत्तर प्रदेश शासन के कार्मिक अनुभाग-2 के कार्यालयजज्ञाप संख्या-5/2019/4/1/2002/का-2/2019टी.सी.1, दिनांक 13 अगस्त, 2019 द्वारा सभी सरकारी व निजी शैक्षणिक संस्थाओं (अनुदानित एवं गैर-अनुदानित) में प्रवेश के लिए 100 बिन्दु आरक्षण रोस्टर प्रणाली जारी की गई है। विश्वविद्यालय परिसर तथा समस्तमहाविद्यालयों में इसी 100 बिन्दु आरक्षण रोस्टर प्रणाली के आलोक में समस्त प्रवेश सम्पन्न किए जायेंगे।

क्षेत्रीय आरक्षण -

(क) शारीरिक रूप से विकलांग (दृष्टिबाधितों हेतु : को सम्मिलित करते हुए)	05 प्रतिशत
(ख) स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित (पुत्र/पुत्री/पौत्र/पौत्री, प्रपौत्र/प्रपौत्री)	02 प्रतिशत
(ग) भूतपूर्व सैनिक एवं युद्ध में शहीद, युद्ध में अपंग रक्षाकर्मी अथवा उनके पाल्य	02 प्रतिशत
(घ) कार्यरत सैनिक एवं उनके पाल्य (पति/पत्नी, पुत्र/पुत्री)	01 प्रतिशत
(ङ) महिला अभ्यर्थियों के लिए	20 प्रतिशत

नोट: आरक्षण का लाभ उत्तर प्रदेश के मूलनिवासियों को ही प्रदान किया जाएगा क्षैतिज आरक्षण भारत सरकार/उत्तर प्रदेश सरकार के नियमों के अधीन होगा। आरक्षण का लाभ लेने हेतु सक्षम अधिकारी का नवीनतम प्रमाणपत्र ही मान्य होगा।

अधिभार -

प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु निम्नानुसार अधिभार प्रदान किया जायेगा :

(क) एन0सी0सी0 "बी0" अथवा "सी0" प्रमाणपत्र धारक 2.5 प्रतिशत

(ख) उत्कृष्ट खिलाड़ी 05 प्रतिशत

नोट: अधिभार का लाभ मात्र उत्तर प्रदेश सरकार एवं विश्वविद्यालय के नियमों के अधीन होगा।

7. सी0बी0सी0एस0 (CBCS) संरचना में परास्नातक पाठ्यक्रम प्रमुखतः तीन श्रेणियों में विभाजित होंगे।

(a) अन्तर्गत मुख्य विषय (Core Course) होंगे। मुख्य विषयों के संचालन के लिए विषय/संकाय की सम्बद्धता की अनिवार्यता होगी। सेमेस्टर में मुख्य विषय होना अनिवार्य है।

(b) द्वितीय श्रेणी के अन्तर्गत विषय वैकल्पिक (Subject Elective) होंगे। मुख्यतः प्रायोगिक प्रकृति के होंगे तथा इनका मूल्यांकन 50% सैद्धान्तिक तथा 50% प्रायोगिक होगा।

(c) तृतीय श्रेणी के अन्तर्गत सामान्य वैकल्पिक (Generic Elective) होंगे। जो मुख्यतः प्रायोगिक प्रकृति होंगे तथा इनका मूल्यांकन 50% सैद्धान्तिक तथा 50% प्रायोगिक होगा। सामान्य वैकल्पिक प्रश्न पत्र मात्र द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में होंगे।

(d) चतुर्थ श्रेणी के अन्तर्गत दीर्घ शोध परियोजना (MRP) को रखा गया है, जिसका प्रावधान मात्र चतुर्थ सेमेस्टर में होगा।

8. प्रवेश व्यवस्था :

(a) सर्वप्रथम विद्यार्थी का विश्वविद्यालय के वेब पंजीकरण फॉर्म के माध्यम से पंजीकरण होगा।

(b) महाविद्यालय उपलब्ध सीटों/नियमों के आलोक में विद्यार्थी को सम्बन्धित संकाय में प्रवेश देंगे।

9. प्रवेश के लिए सीटों की अनुमन्यता एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों के लिए कला संकाय/विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत विषय -

महाविद्यालयों में कला संकाय के अन्तर्गत संचालित परास्नातक पाठ्यक्रम :

क्र.सं.	विषय	अधिकतम सीट (प्रति सेक्शन)	न्यूनतम अहर्ताएं एवं पूर्व पात्रता
1.	हिन्दी साहित्य	60	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से किसी भी विषय वर्ग में 40% (अनुसूचित जाति एवं जनजाति 35%) के साथ स्नातक उत्तीर्ण
2.	समाजशास्त्र	60	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से किसी भी विषय वर्ग में 40% (अनुसूचित जाति एवं जनजाति 35%) के साथ स्नातक उत्तीर्ण

महाविद्यालयों में विज्ञान संकाय के अन्तर्गत संचालित परास्नातक पाठ्यक्रम :

क्र.सं.	विषय	अधिकतम सीट (प्रति सेक्शन)	न्यूनतम अहर्ताएं एवं पूर्व पात्रता
1.	जन्तु विज्ञान	30	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से किसी भी विषय वर्ग में 40% (अनुसूचित जाति एवं जनजाति 35%) के साथ स्नातक उत्तीर्ण
2.	रसायन विज्ञान	30	किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से किसी भी विषय वर्ग में 40% (अनुसूचित जाति एवं जनजाति 35%) के साथ स्नातक उत्तीर्ण

10. परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था-

(a) सत्र 2025-26 से एम0ए0, एम0कॉम0, एस0एस-सी0 पाठ्यक्रमों की परीक्षा उप मूल्यांकन पूर्वत सेमेस्टर पद्धति से होंगी।

(b) सभी विषयों (लिखित/प्रायोगिक/परियोजना आदि) के प्रश्नपत्र 100 अंक के होंगे, जिनको क्रेडिट एवं ग्रेडिंग प्रणाली के आधार पर परिवर्तित करके अंकपत्र तैयार किये जायेंगे।

(c) सभी विषयों/प्रश्नोपत्रों (प्रायोगिक/दीर्घ शोध प्रबन्ध, मुख्य परियोजना, इंटर्नशिप को छोड़कर) की परीक्षाएं 25 प्रतिशत सतत आन्तरिक मूल्यांकन (CIE) एवं 75 प्रतिशत बाह्य मूल्यांकन (ETE) विश्वविद्यालय परीक्षा) के आधार पर की जायेगी।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रमों (Core Course) की परीक्षा प्रणाली:

सतत आन्तरिक मूल्यांकन (Continuous Internal Evaluation) :

(a) सैद्धान्तिक विषयों प्रत्येक सत्र (सेमेस्टर) के दौरान सतत आन्तरिक मूल्यांकन तीन अवसरों पर किया जाएगा। प्रत्येक आन्तरिक मूल्यांकन का पूर्णांक 12.5 अंक एवं अधिकतम कालावधि एक घंटे की होगी।

(b) सैद्धान्तिक विषयों में इन तीन आन्तरिक मूल्यांकन में से कम से कम दो आन्तरिक मूल्यांकन लिखित परीक्षण एवं तीसरा आन्तरिक मूल्यांकन लिखित/सेमिनार/ असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण आदि के रूप में होगा। लिखित परीक्षा वर्णनात्मक प्रकार की होगी।

(c) उदाहरणार्थ :

(सतत आन्तरिक मूल्यांकन)					
Continuous Internal Evaluation (CIE) (सतत आन्तरिक मूल्यांकन)	TEST - 1	TEST - 2	TEST - 1	Best of Any Two Test	TOTAL
	(MM-12.50)	(MM-12.50)	(MM-12.50)	(Test-1/Test-2/Test-3)	(MM-25)
Paper - 1	6.00	7.00	5.00	6.00 + 7.00	13.00
Paper - 2	4.00	8.00	6.50	8.00 + 6.50	14.50

बी.ए. में प्रवेश के समय देय सम्पूर्ण
सेमेस्टर शुल्क - (वर्तमान सत्र)

प्रतिसेमेस्टर - ₹ 2100.00

बी.एस-सी. में प्रवेश के समय देय सम्पूर्ण
सेमेस्टर शुल्क - (वर्तमान सत्र)

प्रतिसेमेस्टर - ₹ 3600.00

एम.एस-सी. प्रति सेमेस्टर प्रवेश शुल्क

- | | |
|------------------|-----------|
| 1. रसायन विज्ञान | ₹ 8100.00 |
| 2. जन्तु विज्ञान | ₹ 8100.00 |

एम०ए० प्रति सेमेस्टर प्रवेश शुल्क

- | | |
|------------------------|-----------|
| 1. हिन्दी, समाजशास्त्र | ₹ 3100.00 |
|------------------------|-----------|

नोट : विश्वविद्यालय अथवा उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार शुल्क में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्रीड़ा एवं अन्य परिषदे

छात्र-छात्राओं के शरीरिक तथा नैतिक चारित्रिक विकास के लिए क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। भाषण, वाद-विवाद, कविता पाठ, पोस्टर, लेखन आदि प्रतियोगिताओं का भी समय-समय पर आयोजन होता है। छात्र-छात्राओं को इनमें उत्साहपूर्वक भाग लेकर सफल और पुरस्कृत होने का प्रयास करना चाहिए। इस वर्ष एन.सी.सी. यूनिट के लिए कालेज प्रयत्नशील है।

महाविद्यालय का तेरहवें वार्षिक खेलकूद एवं पंचदिवसीय रोवर / रेंजर्स का आयोजन दिनांक 26 जनवरी, 2021 को किया गया। मुख्य अतिथि पी.जी. कालेज के प्रबन्धक पं० इन्द्रनाथ मिश्र थे। आये हुए अतिथियों का स्वागत पी.जी. कालेज के प्राचार्य डॉ० लाल जी तिवारी ने किया।

पी.जी. कालेज के कई छात्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित खेल मण्डलीय प्रतियोगिता में चयनित होकर प्रदेश में भी स्थान प्राप्त कर पी.जी. कालेज का नाम रोशन कर रहे हैं।

परिचय पत्र

सभी छात्र/छात्राओं को पी.जी. कालेज से परिचय-पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। इसे सितम्बर तक बनवा लेना और हमेशा अपने साथ रखना आवश्यक है। परिचय पत्र खो जाने पर ₹100/- अर्थदण्ड के साथ द्वितीय प्रति के साथ आवेदन करना होगा। तदुपरान्त प्राचार्य की अनुमति से डुप्लीकेट परिचय पत्र बनाया जाएगा।

पुस्तकालय

विद्यार्थियों के लाभ के लिए कालेज में एक सुसज्जित तथा सुव्यवस्थित पुस्तकालय तथा वाचनालय है। पुस्तकालय में पर्याप्त संख्या में पुस्तकें उपलब्ध हैं।

वाचनालय में पत्र-पत्रिकाएँ भी उपलब्ध हैं। प्रत्येक छात्र को प्रति सप्ताह एक पुस्तक दी जा सकती है। एक सप्ताह के अन्दर एक रुपये प्रतिदिन के हिसाब से फाइन देना होगा। प्रायः अधिक विलम्ब से पुस्तकें जमा करने वाले अथवा पुस्तकों के फट जाने अथवा गन्दी कर वापस करने वाले छात्रों को पुस्तक प्रदान नहीं की जाएगी।

महाविद्यालय समिति

महाविद्यालय में अनुशासन को बनाये रखने के लिए एक समिति गठित की गई है। जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राक्टर व सभी प्राध्यापकगण सदस्य होते हैं जो छात्र और छात्रों के प्रत्येक दिन की गतिविधियों पर प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से ध्यान देंगे जिससे कोई विद्यार्थी ऐसा आचरण न करे अनुशासन समिति को किसी भी प्रकार की दण्डनीय प्रशासनिक कार्यवाही करनी पड़े। छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय परिसर में मोबाइल लेकर आना प्रतिबन्धित है।

राष्ट्रीय सेवा योजना - National Service Scheme

शैक्षणिक सत्र 2022-23 में 1 यूनिट 100 छात्र/छात्राओं हेतु शासन द्वारा मान्यता प्रदान की गयी। जिसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्र की सेवा करने हेतु नवयुवकों को तैयार किया जाय इसमें युवा समाज के बीच रहकर, समस्याओं को जानने और उनके लिए कुछ करने की प्रेरणा देता है रासेयों कि उद्देश्यों एवं अनुभवों को समाज एवं राष्ट्र कि निर्माण में प्रयोग में लाकर इसकी सार्थकता को सिद्ध किया जा सकता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना एक ऐसा मंच है जिससे जुड़ कर हम मानवता के लिए अनेक कार्य कर सकते हैं समाज में फैली बुराईयों को दूर कर सकते हैं। यह सिखाता है हमारे लिए समाज पहले है। सेवा भाव ही परम भाव है। जाति लिंग, भाषा के भेदभाव को समाप्त करने का सही मार्ग राष्ट्रीय सेवा योजना कि साथ जुड़ना है इस लिए अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं इसमें सम्मिलित होकर राष्ट्र कि निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना का सिद्धान्त वाक्य ही “स्वयं से पहले आप” प्रजातांत्रिक ढंग से रहने का सार बताता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े छात्रों को प्रमाण - पत्र निर्गत किया जाता जिसका लाभ उन्हे सरकारी नौकरियों में शासन द्वारा प्रदान किया जाता है।

योजना से जुड़े छात्र-छात्राओं समय-समय पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित कराए जाते रहते हैं तथा सात दिवसीय विशेष शिविर का भी आयोजन मुख्य रूप से चयनित ग्रामों में कराया जाता है। जिसका कुशल संचालन वि०वि० द्वारा नामित कार्यक्रम अधिकारी - डॉ० अविनाश चन्द्र द्विवेदी द्वारा निरन्तर तीन वर्षों से कराया जा रहा है।

रोवर / रेंजर दल

रोवरिंग/रेन्जरिंग (स्काउट/गाइड) व्यक्तिव निर्माण का एक सशक्त माध्यम है। जिसके माध्यम से छात्रछात्राओं में अनुशासन, कर्तव्य निष्ठा और समाजसेवा के गुण विकसित होते हैं। इसी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए पी.जी. कालेज का रोवर/रेन्जर विभाग प्रभारी डॉ. अविनाश चन्द्र द्विवेदी के नेतृत्व में सत्र 2004 से एक आन्दोलन के रूप में कार्य कर रहा है। प्रतिवर्ष पी.जी. कालेज, में रोवर्स/रेन्जर्स को पंचदिवसीय प्रशिक्षण शिविर व विभिन्न अवसरों पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है।

विगत वर्षों की भाँति इस वर्ष पी.जी कालेज में अनेक आन्तरिक एवं बाह्य शिविरों का आयोजन किया गया। इस सत्र में विभाग का मुख्य लक्ष्य “स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत” को प्राप्त करना रहा। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर 2 अक्टूबर को एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें पी. जी. कालेज के प्रबन्धक श्री इन्द्रनाथ मिश्र ने शिविर का उद्घाटन करते हुए वर्षभर चलने वाले कार्य, आयोजनों के लिए रोवर्स/रेन्जर्स को शुभकामनाएं दी। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विन्ध्यवासिनी धाम में शारदीय नवरात्र मेरे में रोवर/रेन्जर्स ने सेवाकार्य किया। प्रयागराज जनपद में मम्फोर्डगंज

स्थित प्रशिक्षण केन्द्र पर वोकेशन-ट्रेनिंग कोर्स में प्रतिभाग किया। प्रयाग संगम-तट पर माघ-माह में समाजसेवा शिविर का आयोजन किया गया। इलाहाबाद मण्डल के प्रादेशिक - प्रशिक्षक आयुक्त (30प्र0 भारत स्काउट/गाइड प्रयागराज) ने सामाजिक कार्य में जुड़े रोवर्स/रेन्जर्स की सराहना की। इस प्रकार गाँधी शान्ति निकेतन महाविद्यालय ही एक मात्र सामाजिक गुणों की प्रायोगिक पाठ्यशाला है जहाँ छात्र/छात्राओं को सर्वांगीण विकास कर सामाजिक दायित्वों का बोध कराया जाता है।

अन्य उपलब्धियाँ

महाविद्यालय को वर्ष 2003 में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 24 से 28 अगस्त तक इन्सपायर साइन्स इन्टर्नशिप कैम्प लगाने का अवसर प्रदान किया गया जिसमें हाई स्कूल में 80 प्रतिशत अंक पाने वाले इण्टर विज्ञान वर्ग में प्रवेशित 50 छात्र/छात्राओं को चयन किया गया। उन्हें पाँच दिवसीय कैम्प में विभिन्न क्षेत्रों में ख्याति लब्ध वैज्ञानिकों द्वारा दी गयी। कैम्प का उद्घाटन एस.डी.एम. बारा द्वारा तथा समापन उ. प्र. राजर्षि ठण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० ए.के. बख्शी द्वारा किया गया। सत्र 2022-23 में प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) वि० वि० प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना की एक इकाई को आवंटित किया गया जिसका सफलता पूर्वक आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ० अविनाश चन्द्र द्विवेदी अस्टिन्ट प्रोफेसर समाज शास्त्र द्वारा किया गया है।

डॉ० लालजी तिवारी

सम्पर्क सूत्र : 8318189445, 8787212197
E-mail : Itiwari1991@gmail.com